भारतीय पारंपरिक ज्ञान पत्रिका
खंड 25(7), जुलाई 2026, पृ. 665-677
DOI: 10.56042/ijtk.v25i7.26867

असम, भारत के उदाल गुड़ी जिले के नेपाली समुदाय के पारंपरिक औषधीय पौधों के ज्ञान काअन्वेषण

संजीब बरुआ*, इंदिरा देवी एवं प्रियंका ब्रह्मा
वनस्पति विज्ञान विभाग, बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार 783 370, असम, भारत
*ई-मेल:sanjibbaruah9@gmail.com

प्राप्त 31 जनवरी 2026; संशोधित 14 मई 2026;स्वीकृत 03 जुलाई 2026

असम के बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन (BTR) में स्थित उदलगुरी ज़िले में बोडो, असमिया, आदिवासी, बंगाली हिंदू, नेपाली और अन्य कई तरह के समुदाय रहते हैं। उदलगुरी ज़िले के लोग अपनी रोज़मर्रा की ज़रूरतों के लिए पौधों के संसाधनों का इस्तेमाल करने के लिए पारंपरिक ज्ञान का सहारा लेते हैं। ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी काफ़ी हद तक स्थानीयरूप से मिलने वाले औषधीय पौधों के इस्तेमाल पर निर्भर करती है। इस स्टडी का मकसद उदलगुरी ज़िले में नेपाली समुदाय द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले औषधीय पौधों के बारे में डेटा इकट्ठा करना और यह पता लगाना है कि लंबे समय तक वैज्ञानिक अध्ययन और संरक्षण के लिए कौन से औषधीय पौधे ज़रूरी हैं। यह जानकारी 55 लोगों के साथ सेमी-स्ट्रक्चर्ड एथनोबोटैनिकल इंटरव्यू के ज़रिए इकट्ठा की गई। इन लोगों में 15 किसान, 18 गृहिणियां, 3 पारंपरिक वैद्य (healers), छात्र, नौकरीपेशा लोग और गाँव के कुछ बुज़ुर्ग शामिल थे, जिन्हें जानकारी देने वाले के तौर पर चुना गया था। इसके अलावा, क्वांटिटेटिव डेटा जैसे यूज़ वैल्यू (UV), इन्फॉर्मेंटकं सेंसस फ़ैक्टर (ICF) और फ़ैमिली इंपॉर्टेंस वैल्यू (FIV) का भी विश्लेषण किया गया। नतीजतन, इंसानों की अलग-अलग बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 33 परिवारों (families) की 54 पौधों की प्रजातियों का दस्तावेज़ीकरण किया गया। फैबेसी (Fabaceae) (7 प्रजातियां) सबसे प्रमुख परिवार था, जिसके बाद एपोसाइनेसी (Apocynaceae) (4 प्रजातियां) का स्थान था। पौधों के अलग-अलग हिस्सों जैसे फूल, फल, पत्ते, तने, छाल, राइज़ोम, कंद और जड़ों का इस्तेमाल कई तरह की बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता था, जैसे गैस्ट्राइटिस, दस्त, अल्सर, बवासीर, ट्यूमर, अपच, उल्टी, सिरदर्द, टॉन्सिल, त्वचा का संक्रमण, चेचक, दाद, आँखों की समस्या, अनियमित माहवारी, मूत्रमार्ग का संक्रमण, सफ़ेद पानी आना (white discharge), हृदयरोग, अस्थमा, मधुमेह, ब्लडप्रेशर, साइनस, नाक से खून आना, पीलिया आदि। यह स्टडी नेपाली समुदाय के सांस्कृतिक इतिहास और उनके स्थानीय औषधीय पौधों के ज्ञान को उजागर करती है।

मुख्य शब्द: एथनोबॉटनी, नेपाली समुदाय, मात्रात्मक, पारंपरिक ज्ञान, उदलगुरी ज़िला, असम